THE ASIAN SCHOOL, DEHRADUN

(Session 2021-22)

WORKSHEET-2

Class: 7th **Subject: HINDI**

Note:
1. Attempt the worksheet in your subject notebook.
2. The worksheet is based on the topics from Hindi syllabus previously taught.
3. The worksheet is meant for practice and recapitulation and shall be discussed by the subject teacher once the classes resume

अपठित गद्यांश-1 (1×5=5)

महापुरुष लोग जब आते हैं हम, अच्छी तरह नहीं पहचान पाते, क्योंकि हमारा मन भीरू और अस्वच्छ है, स्वभाव शिथिल है, अभ्यास दुर्बल है. हमारे मन में वह क्षमता नहीं है जिससे हम महानता को पूरी तरह समझ सकें, उसको ग्रहण कर सकें. जो महापुरुष प्रेम देकर अपना परिचय देते हैं, उनको हम उनके प्रेम से किसी सीमा तक समझ भी सकते हैं. हम लोग समझ गए हैं कि," गांधी जी हमारे हैं." उनके प्रेम में ऊंच-नीच का अंतर नहीं है, मूर्ख और विद्वान का अंतर नहीं है, अमीर और गरीब का भेद नहीं है.

उन्होंने अपना प्रेम सभी को समान रूप से वितरित किया है. उन्होंने कहा," सबका कल्याण हो, सबका मंगल हो ". उन्होंने जो भी कहा है वह केवल बातों से नहीं कहा है अपितु दुख की वेदना से कहा है. उनका धैर्य देखकर, ममता देखकर, उनका संकल्प सिद्ध हो गया है, किंतु किसी प्रकार की जोर जबरदस्ती से नहीं अपितु त्याग द्वारा, दुख द्वारा, तपस्या द्वारा वह अपने संकल्प में सफल हुए.

उपयुक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. हम महापुरुषों की पहचान क्यों नहीं कर पाते?
2. गांधी जी का प्रेम कैसा था?
3. गांधी जी अपनी बात किस तरह कहते थे?
4. संकल्प का क्या तात्पर्य है?
5. अपठित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए

अपठित गद्यांश-2 (1×5=5)

हमारे विशाल देश में हिमालय की अनंत हम राशि ने जिन नदियों को जन्म दिया है उनमें, उत्तरा पथ को सींचने वाली गंगा और यमुना नाम की नदियां जीवन की धमनियों की तरह है हमारे ऐतिहासिक चैतन्य की साक्षी रही है. उनकी गोद में हमारे पूर्वजों ने सभ्यता के आंगन में अनेक नए खेल खेले. उनके तटों पर जीवन का जो प्रवाह हुआ वह, जीवंत है. भारत भूमि हमारी माता है और हम उसके पुत्र हैं – यह सच्चाई हमारे रोम रोम में बंधी हुई है. नदियों की अंतर्वेदी में पनपने वाले आदि युग के जीवन पर हम अब जितना अधिक विचार करते हैं, हमको अपने विकास और वृद्धि की सनातन जड़ों का पृथ्वी के साथ संबंध

उतना ही अधिक घनिष्ठ जान पड़ता है. जब तक भारतीय जाति का जीवन भारत भूमि के साथ बना हुआ है, जब तक हमारे सांस्कृतिक पर्व पर लाखों मनुष्य नदियों और जलाशयों के तत्व पर एकत्र होते रहेंगे, जब तक संकटों में बलिदान की भावना प्रत्येक मन में जागती रहेगी, जब तक एक देश के नागरिक के रूप में हमारी पहचान जीवित है, तब तक हमारे आंतरिक गठन और हमारे अस्तित्व को सकुशल समझना चाहिए.

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. अपठित गद्यांश का शीर्षक दीजिए.
2. गंगा और यमुना नदियां किस की साक्षी रही है?
3. कौन सी सच्चाई हमारे रोम रोम में बंधी हुई है?
4. हमारे देश में बहने वाली नदियों के आदि स्रोत क्या है?
5. भारतीय जनजीवन पर नदियों का क्या प्रभाव है?

पत्र लेखन (2×5=10)

क. नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए , जिसमें अपने पड़ोस में गंदगी के कारण फैलने वाली बीमारी की सूचना दी गयी हो ।

ख. अपने छोटे भाई को व्यायाम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए पत्र लिखिए ।